प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में 85 फ़ीसदी पदों पर गहलोत-डोटासरा समर्थकों का कब्जा

सचिन पायलट को मिले सांत्वना के रूप में कुछ पदाधिकारी उनमें भी नए लोगों को मौका नहीं दिला पाए

- 25 जिलाध्यक्षों में से पांच हुए रिपीट, सचिन पायलट को मिला सिर्फ टोंक, अब तक घोषित 38 जिला अध्यक्षों में सिर्फ सीकर में महिला अध्यक्ष
- कार्यकारिणी में सिर्फ 15 फ़ीसदी महिलाओं को मौका, कई जाति वर्गों को नहीं मिला प्रतिनिधित्व

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारिणी की घोषणा के साथ ही संगठन की रणनीति तय कर दी गई है। कार्यकारिणी के साथ ही 25 जिला अध्यक्षों की भी घोषणा की गई है। इन 25 जिलाध्यक्षों में एक भी महिला नहीं है। वही अब तक घोषित 38 जिला अध्यक्षों में सिर्फ सीकर जिले में एकमात्र महिला जिला अध्यक्ष बनी है। कार्यकारिणी में बहुत से जाति, वर्गों को मौका नहीं मिला।

वही कार्यकारिणी की बात करें तो प्रदेश कार्यकारिणी में केवल 15 फीसदी पदों पर महिलाओं को ही जगह मिली है। मंत्रियों को एक व्यक्ति एक पद के फार्मूले पर संगठन के पदों से हटा दिया है। अब मौजूदा कार्यकारिणी में एक भी मंत्री नहीं है। कई पायलट समर्थक संगठन से बाहर हो गए हैं। कार्यकारिणी में 80 फीसदी पदाधिकारी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के समर्थक हैं। चुनावी साल इसे गहलोत खेमे के संगठन पर दबदबे के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं सचिन पायलट के समर्थकों को भी कार्यकारिणी में मौका तो मिला है, लेकिन जितने लोगों को मौका मिला है उनसे ज्यादा हटाए गए हैं। इसे सिर्फ सचिन पायलट को दी गई सांत्वना के रूप में देखा जा रहा है। उनमें भी पायलट समर्थक जो पदाधिकारी बनाए गए हैं, अधिकांश वही हैं, जो पहले से पदाधिकारी थे या विधायक हैं। इसे लेकर कहा जा रहा है कि सचिन पायलट कुछ लोगों में सिमट कर रह गए और नए लोगों को मौका देने में चूक गए। सचिन पायलट के समर्थकों को जितनी जगह दिए जाने की उम्मीद थी, उससे कम जगह दी गई है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा अपने समर्थकों को संगठन के पद दिलाने में कामयाब हुए हैं, साथ ही उन्होंने अपने समर्थकों को बहुत जल्दी पदोन्नत भी कर दिया है। पुरानी कार्यकारिणी में सचिन पायलट समर्थक प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र चौधरी, महासचिव रहे वेदप्रकाश सोलंकी, सचिव महेंद्र सिंह खेडी, गजेंद्र सांखला, शोभा सोलंकी ललित यादव को बाहर कर दिया है। चाकसू से पायलट समर्थक विधायक वेदप्रकाश सोलंकी लगातार पायलट के समर्थन में बयानबाजी करते रहे थे, सोलंकी ने कई बार सरकार पर भी सवाल उठाए थे। ऐसे में सोलंकी को इस बार प्रदेश महासचिव पद से हटा दिया है। पिछली कार्यकारिणी में उन्हें प्रदेश महासचिव बनाया था। पायलट समर्थक महेंद्र सिंह खेड़ी, निंबाराम गरासिया को सचिव पद से हटा दिया है।192 की प्रदेश कार्यकारिणी में पायलट समर्थकों को जगह मिली है, लेकिन उनकी संख्या केवल 20 के आसपास है। पायलट समर्थक दो नेताओं गजराज खटाना और दर्शन गुर्जर को उपाध्यक्ष बनाया है।

वहीं 48 महासचिवों में पायलट समर्थक 9 लोगों राकेश पारीक, महेंद्र सिंह गुर्जर, प्रशांत शर्मा, इंद्राज गुर्जर, मुकेश भाकर, राजेश चौधरी, सुरेश मिश्रा, संजय जाटव और सोना देवी बावरी को महासचिव बनाया है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में बनाए गए 121 सचिवों में पायलट समर्थकों की संख्या भी बहुत कम है। सचिवों में अनिल चोपड़ा, हिमांशु कटारा, विक्रम वाल्मीकि, सुरेंद्र लांबा, आजाद सिंह राठौड़, नरपत और विभा पायलट समर्थक हैं। वहीं यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के बेटे अमित धारीवाल को कांग्रेस का प्रदेश महासचिव बनाया गया है। कहा जा रहा है कि शांति धारीवाल इस बार चुनाव नहीं लड़ेंगे और अपने बेटे अमित धारीवाल को टिकट दिलाने की पैरवी करेंगे।

कांग्रेस लगातार महिलाओं को 33 फीसदी टिकट देने की पैरवी करती रही है, लेकिन संगठन में भी उन्हें केवल 15 फीसदी पद दिए गए हैं। प्रदेश कार्यकारिणी के 192 पदों में से केवल 29 महिलाओं को जगह दी गई है। जो 15 फीसदी भी पूरी नहीं है । 21 उपाध्यक्ष में से 2 महिला उपाध्यक्ष, 48 महासचिवों में से 9, 121 सचिवों में से 18 सचिव के पद महिलाओं को दिए हैं। कांग्रेस ने कल 25 जिलाध्यक्षों के पदों पर नियुक्ति की। उनमें से एक भी महिला नहीं है। कांग्रेस में इससे पहले 13 जिलाध्यक्ष बनाए थे। उनमें केवल एक महिला जिलाध्यक्ष बनाई गई थी। वही पाली जिले के अध्यक्ष अजीज दर्द, हनुमानगढ़ के सुरेंद्र दादरी, बीकानेर के यशपाल गहलोत, कोटा के रविंद्र त्यागी, बूंदी से सीएल प्रेमी दूसरी बार अध्यक्ष बने हैं।

ब्रह्मकुमारीय व एन.सी.सी. के सिद्धांत एक समान : एल.के.जैन

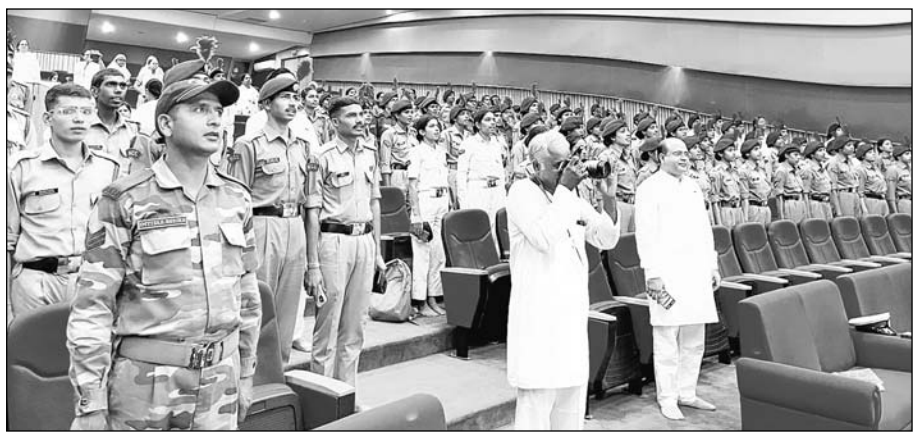

ब्रह्माकुमारीज राजयोग भवन वैशाली नगर के प्रभुनिधि सभागार में मंगलवार को एन.सी.सी. कैडेट्स के लिये सेल्फ एंपावरमेंट लीडरशिप एंड टीम बिल्डिंग कार्यक्रमों की श्रंखला का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जयपुर, (का.सं.)। ब्रह्माकुमारीज राजयोग भवन वैशाली नगर के प्रभुनिधि सभागार में एन.सी.सी. केडेट हेतु आयोजित किये जाने वाले सेल्फ एंपावरमेंट लीडरशिप एंड टीम बिल्डिंग कार्यक्रमों की श्रंखला का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राजयोग एवं आध्यात्मिक सशक्तिकरण के जरिए एन.सी.सी. केडेट्स को मूल्यों के प्रति सजग कर देश का आंतरिक तौर पर मजबूत प्रहरी बनाने का प्रयास किया जायेगा। शुभारम्भ में सभा को संबोधित करते हुए एयर कमोडोर एल.के. जैन ने बताया ब्रह्माकुमारीज एवं एन.सी.सी. के सिद्धांत एक समान है। जिस प्रकार संस्था आध्यात्मिकता द्वारा अनुशासन के प्रेरित करती है ऐसे ही देश एन.सी.सी. भी अपने केडेट में अनुशासन को कूट कूट कर भरता है। ब्रह्माकुमारीज जयपुर की उपक्षेत्रीय संचालिका बीके सुषमा दीदी ने बताया कि एन.सी.सी. केडेट्स आने वाले समाज को दिशा दिखाने में अहम् भूमिका निभा सकते है। व्यवस्थित जीवनशैली वाला केडेट ही प्रेरणाश्रोत बन सकता है। उन्होंने केडेट्स को बुरी आदतों से दूर रहकर अनुशासित जीवन शैली अपनाने का महत्व बताया।

भारतीय सेना के कर्नल बी.सी. सती ने केडेट्स में जोश भरते हुए अपने कार्यकाल में आयी विपरीत परिस्थितियों को मैडिटेशन से सहज पार करने के गूर सिखाये। आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रंखला में कार्यक्रम के अंत में बीके चन्द्रकला दीदी ने राजयोग मैडिटेशन का अभ्यास करवाया गया। तथा एन.सी.सी. गाना हम सब भारतीय है, बजाकर कार्यक्रम का समापन किया गया तथा कार्यक्रम में भारतीय सेना के अफसरों सहित 300 केडेट्स ने हिस्सा लिया।

सहकारी समितियों का उप रजिस्ट्रार व निरीक्षक पांच लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

देशराज यादव

अरुण प्रताप सिंह

जयपुर,(कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने मंगलवार को सहकारी समिति उप रजिस्ट्रार एवं निरीक्षक को 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी की टीमें दोनों अधिकारियों के आवास व उप रजिस्ट्रार के मिनी सचिवालय और निरीक्षक के टोंक रोड स्थित देव नगर कार्यालय सहित अन्य ठिकानों पर एसीबी की अलग-अलग सर्च करने में जुटी थी। एसीबी ट्रैप के बाद आरोपी उप रजिस्ट्रार देशराज यादव व निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह को एसीबी मुख्यालय लेकर गई।

एडीजी एसीबी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की विशेष अनुसंधान इकाई को परिवादी ने शिकायत दी कि कॉपरेटिव सोसायटी के किराये के कार्यालय पर सहकारिता विभाग की टीम की डाली गई रेड के कार्रवाई में मदद करने की एवज में सहकारी समिति उप रजिस्ट्रार देशराज यादव व निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह ने 20 लाख रुपए की रिश्वत मांग कर उसे परेशान कर रहे है। इस पर एसीबी जयपुर के डीआईजी रणधीर सिंह के सुपर वीजन में एसीबी विशेष अनुसंधान इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बजरंग सिंह शेखावत के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया गया। शिकायत सही पाई जाने पर मंगलवार को सीआई रघुवीर शरण ने ट्रेप कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान देशराज यादव पुत्र रामजीलाल यादव निवासी 15, सरस्वती नगर- ए. गैटार रोड, मालवीय नगर, जयपुर, अरूण प्रताप सिंह पुत्र श्याम सिंह निवासी फ्लेट नं0 808, आशियाना ग्रीन वुड, जगतपुरा को परिवादी से 5 लाख की रिश्वत राशि लेते हुये गिरफ्तार कर लिया। परिवादी ने बताया कि इस राशि से पहले भी आरोपी उसे इस काम के लिए 5 लाख रुपए ले चुके हैं। रिश्वत की दूसरी किश्त देते हुए एसीबी ने दोनों अधिकारियों धर दबोचा। एसीबी के सत्यापन में खुलासा हुआ है कि आरोपी उप रजिस्ट्रार रिश्वत लेने में इतना बेखौफ था कि परिवादी को बोला कि ऊपर भगवान और नीचे में हूं किसी से नहीं डरते। मामले के अनुसार नील कमल शुक्ला की सिंधू नगर कोऑपरेटिव सोसायटी है। उसने अपनी कोऑपरेटिव सोसायटी का ऑफिस राजापार्क पंचवटी स्थित सहकारिता विभाग की ही करीब 800 वर्ग गज जमीन पर खोल रखा है। यह ऑफिस 15 साल पहले किसी कॉलोनाइजर से किराए पर लिया था। आरोपी देशराज यादव इस बेस कीमती जमीन को किसी अन्य बिल्डर के माध्यम से हथियाना चाह रहा था। ऑफिस खाली करवाने के लिए देशराज ने सहकारिता विभाग की ओर से 24 जून को पुलिस जाप्ता लेकर छापा डाला था। छापे के बाद वहां दो कमरों को सील कर दिया। दोनों सील कमरों में सोसायटी के दस्तावेज रखे हुए थे। सील कमरों को नील कमल शुक्ला खुलवाना चाह रहा था। इस पर देशराज यादव दोनों कमरों को खोलने की एवज में 20 लाख रुपए मांग रहा था। बातचीत कर 10 लाख रुपए में कमरे खोलना तय हुआ। इसके बाद आरोपी 5 लाख रुपए पहले ले चुके थे। मंगलवार को दूसरी किस्त के 5 लाख रुपए लेते ट्रैप कर लिया गया।

परिवादी ने बताया कि सहकारी समिति के भवन में चल रहे उसके ऑफिस को खाली करने की मियाद पूरी हो गई। लेकिन उसने कोर्ट से स्टे ले रखा है। उक्त भवन को किराए से लेने के लिए एक प्रॉपर्टी व्यवसायी उप रजिस्ट्रार को 2 करोड़.रुपए देने का तैयार हो गया। परिवादी ने बताया कि आरोपी उप रजिस्ट्रार ने 30 लाख रुपए लेकर ऑफिस खाली करने का ऑफर भी दिया। लेकिन उसने मना कर दिया। जबरन उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। उप रजिस्ट्रार देशराज यादव के कहने पर परिवादी से निरीक्षक अरूण प्रताप सिंह ने 5 लाख रुपए रिश्वत के मांगे।

प्रदेश से बाहरी अभ्यर्थियों को भर्ती में शामिल नहीं करने पर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने नेत्र सहायक भर्ती-2023 परीक्षा में प्रदेश से बाहरी अभ्यर्थियों को शामिल नहीं करने पर प्रमुख चिकित्सा सचिव और राजस्थान पैरामेडिकल कौंसिल से जवाब मांगा है। अदालत ने याचिकाकर्ता अभ्यर्थी का आवेदन स्वीकार कर भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश ऋषभ की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता हरियाणा का मूल निवासी है और उनसे निम्स कॉलेज से ऑथैल्मिक टेक्नोलॉजी में दो वर्षीय डिप्लोमा कार्स कर रखा है। वहीं उसे राजस्थान पैरा मेडिकल कौंसिल से प्रोविजनल डिग्री भी मिल गई है। याचिकाकर्ता ने जब आरपीएमसी में ऑनलाइन आवेदन किया तो उसका आवेदन राजस्थान का मूल निवासी नहीं होने के आधार पर खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया कि वह आरपीएमसी में पंजीकरण के अभाव में नेत्र सहायक भर्ती में आवेदन नहीं कर सकता है।

कंट्रोल रूम की स्थापना

जयपुर, (का.सं.)। पन्द्रहवीं राजस्थान विधानसभा के अष्टम सत्र की बैठक 14 जुलाई से पुन: आयोजित होगी।

सत्र के दौरान प्राप्त होने वाले तारांकित एवं अतारांकित सहित अन्य प्रस्तावों के जवाब सही समय पर भिजवाने के लिए कलक्ट्रेट में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है।

ऐसे ही बयानों से कांग्रेस की स्थिति "शूर्पणखा" जैसी : शेखावत

जयपुर। राजस्थान के सैनिक कल्याण राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा के विवादित बयान पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह जानबूझकर दिया गया बयान है। ऐसे ही बयानों की वजह से आज कांग्रेस की स्थिति "शूर्पणखा" जैसी है। मंगलवार को ट्वीट कर शेखावत ने कहा कि हिंदुओं की हंसी उड़ाने और अपने वोट बैंक की चमकाई करने के लिए कितना नीचे गिरेंगे ये कांग्रेसी? भारत की आस्था प्रभु श्रीराम को पागल बताते हुए राजस्थान सरकार के मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को स्वयं के अस्तित्व पर शर्म नहीं आई? शेखावत ने कहा कि यह जानबूझकर दिया गया बयान है। ऐसे ही बयानों की वजह से आज कांग्रेस की स्थिति "शूर्पणखा" जैसी है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ बदलाव के दौर की शुरूआत करेगी टीम इंडिया

रोसीयू (डोमिनिका), 11 जुलाई। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के जरिये बदलाव के दौर की शुरूआत करेगी तो फोकस युवा यशस्वी जायसवाल पर रहेगा ।

मेजबान वेस्टइंडीज के लिये विश्व कप क्वालीफायर में मिली हार के जख्म अभी ताजा हैं और वह भारत जैसी मजबूत टीम को हराकर विश्व क्रिकेट में अपना अस्तित्व बनाये रखने की कोशिश में होगा।

चेतेश्वर पुजारा को बाहर किये जाने के बाद भारतीय शीर्षक्रम में एक जगह खाली हुई है । उम्मीद की जा रही है कि मुंबई का बेहद प्रतिभाशाली बल्लेबाज जायसवाल उस कमी को पूरा करेगा और प्रथम श्रेणी क्रिकेट के शानदार फॉर्म को यहां जारी रख पायेगा । वैसे सीधा हल तो उसे तीसरे नंबर पर उतारना होगा लेकिन शुभमन गिल स्वाभाविक तौर पर मध्यक्रम का बल्लेबाज है। जायसवाल मुंबई , पश्चिम क्षेत्र और शेष भारत के लिये पारी की शुरूआत करता आया है। शीर्षक्रम पर उतरना उसके लिये मुश्किल नहीं होगा। इस साल के आखिर में दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले उसके लिये अनुभवी केमार रोच, शेनोन गैब्रियल, अलजारी जोसफ और जैसन होल्डर जैसे गेंदबाजों को खेलना अच्छा अनुभव होगा। भारत का नया विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र पिछले दो चक्रों की तुलना में कठिन होगा । पिछले दो सत्र में भारतीय टीम बेहतरीन तेज गेंदबाजी और सधे हुए बल्लेबाजी क्रम के दम पर फाइनल में पहुंची थी।

अब प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह लंबे समय से चोटिल हैं जबकि मोहम्मद शमी को इस श्रृंखला के लिये आराम दिया गया है । भारतीय टीम के आक्रमण में धार की कमी दिख रही है । ईशांत शर्मा पिछले दो चक्र खेले हैं लेकिन इस बार कमेंट्री करेंगे जबकि 36 वर्ष के उमेश यादव का हैमस्ट्रिंग चोट के बाद वापसी कर पाना मुश्किल है ।

ऐसे में 19 वर्ष के मोहम्मद सिराज तेज आक्रमण की अगुवाई करेंगे जिनका साथ देने के लिये नौ टेस्ट का अनुभव रखने वाले शार्दुल ठाकुर होंगे । ऐसे में एक बार फिर दारोमदार रविचंद्रन अश्विन (474 विकेट) और रविंद्र जडेजा (268) की स्पिन जोड़ी पर रहेगा । इन चारों का चयन तो तय है लेकिन मुकेश कुमार, जयदेव उनादकट और नवदीप सैनी में से एक को चुनना आसान नहीं होगा। विकेटकीपर के तौर पर कोना भरत पर ईशान किशन को तरजीह दिये जाने की उम्मीद है जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भी खुद को साबित किया है। विंडसर पार्क पर छह साल बाद टेस्ट मैच होने जा रहा है और इसी प्रारूप में पिछले कुछ साल में कैरेबियाई टीम अच्छा खेल पाई है । ऐसे में यह सोचना मूर्खता होगी कि विश्व कप क्वालीफायर का असर टेस्ट में उनके प्रदर्शन पर पडेगा।

उनके पास रोच (261 विकेट) और गैब्रियल (164 विकेट) जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं । गैब्रियल सफेद गेंद का क्रिकेट नहीं खेलते हैं। ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे और विराट कोहली के लिये कैरेबियाई पिचों पर अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन चुनौतीपूर्ण रहेगा । तीनों की अपनी तरह की चुनौतियां होगी। रोहित के लिये 50 ओवरों के विश्व कप में बहुत कुछ दाव पर होगा । उन्हें दो मैचों की श्रृंखला पहले जीतनी होगी और विश्व कप के बाद टेस्ट कैरियर बचाये रखने के लिये बल्ले से भी योगदान देना होगा ।

विराट को कुछ बड़ी पारियां खेलनी होगी । आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों पर उनकी कमजोरी कैरेबियाई गेंदबाज भांप सकते हैं । ऐसे में खराब प्रदर्शन टीम में उनके स्थान पर भी प्रश्नचिन्ह लगा सकता है। कोहली और पुजारा दोनों ने पिछले तीन साल में 30 से कम की औसत से टेस्ट रन बनाये लेकिन पुजारा को बाहर का रास्ता देखना पड़ा।

रहाणे टीम में वापसी कर रहे हैं और उन्हें उपकप्तान भी बनाया गया है । नाकाम रहने की दशा में सबसे पहले बाहर होने वालों में वही होंगे चूंकि रूतुराज गायकवाड़ का दावा भी मजबूत है । श्रेयस अय्यर और केएल राहुल भी वापसी करेंगे।

मैनचेस्टर में न भी खेलूं तो कोई गम नहीं : एंडरसन

लंदन, 11 जुलाई। इंग्लैंड के अनुभवी गेंदबाज़ जेम्स एंडरसन ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध मैनचेस्टर में होने वाले चौथे एशेज़ टेस्ट से पहले स्पष्ट कर दिया है कि अगर उन्हें घरेलू मैदान पर खेलने का मौका न भी मिले तो उन्हें इसका कोई मलाल नहीं होगा।

इस महीने के अंत में 41 साल के होने वाले एंडरसन लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेले गये तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड की टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। उन्होंने शृंखला के शुरुआती दो मैचों में 75.33 की औसत से सिर्फ तीन विकेट ले सके, जिसके बाद उन्हें एकादश से बाहर रखने का फैसला लिया गया।

यह भले ही मैनचेस्टर में अपने घरेलू मैदान पर खेलने का एंडरसन का संभवत: आखिरी मौका हो, लेकिन वह जानते हैं कि कोच ब्रैंडन मैकुलम और कप्तान बेन स्टोक्स भावनाओं के वेग में बहकर कोई फैसला नहीं लेंगे। एंडरसन ने टेलीग्राफ में अपने स्तंभ में लिखा, "यह एशेज शृंखला है और अगले टेस्ट के लिये चयन में पुरानी यादों की भूमिका होने की बिल्कुल भी संभावना नहीं है। जिमी एंडरसन को (मैनचेस्टर में ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम के) जिमी एंडरसन छोर पर गेंदबाजी करने देना अच्छी कहानी है, लेकिन बेन स्टोक्स या ब्रेंडन मैकुलम के दिमाग में यह विचार नहीं होगा। वे उस विशेष सप्ताह ऑस्ट्रेलिया के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिये सबसे मजबूत टीम चुनेंगे। वे जो भी निर्णय लें, मैं इससे पूरी तरह खुश हूं।"

शुरुआती दो मैचों में एंडरसन के प्रदर्शन को अगर नज़रंदाज़ कर दिया जाये तो स्टोक्स के कप्तानी संभालने के बाद से वह टीम का एक अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने बाज़बॉल काल के 12 मैचों में 21.22 की औसत से 48 विकेट चटकाये हैं। ओल्ड ट्रैफर्ड पर खेले गये 10 टेस्ट मैचों में भी उनकी औसत 22.02 की है। ओली रॉबिन्सन की पीठ में खिंचाव होने के कारण 19 जुलाई से शुरू होने वाले टेस्ट में एंडरसन को मौका मिलने की मज़बूत संभावना है। एंडरसन ने लिखा, "मैं जानता हूं कि मुझे टीम में जगह मिलने की कोई गारंटी नहीं और मैं यह भी समझता हूं कि कोच-कप्तान जीतने वाली टीम के साथ ही उतरना चाहेंगे। टीम चयन मेरे हाथ में नहीं। मैं सिर्फ यह कोशिश करता हूं कि मैं अच्छी स्थिति में रहूं और खेलने के लिये तैयार रहूं।"

उन्होंने लिखा, "जब आप अपने करियर के उस दौर में होते हैं जहां मैं हूं तो आपको नहीं मालूम होता कि आपका आखिरी मैच कौनसा होगा। अगर मैं खेलता हूं तो यह ओल्ड ट्रैफर्ड पर मेरा आखिरी टेस्ट हो सकता है। कौन जानता है? मैं इस बारे में नहीं सोच रहा। मैं बस टीम के साथ जुड़ा रहना चाहता हूं और जीत में योगदान देना चाहता हूं जिससे इंग्लैंड शृंखला में बराबरी कर ले।"

एंडरसन ने कहा कि वह एक मैच के आराम के बाद तरोताज़ा महसूस कर रहे हैं। दिग्गज गेंदबाज़ ने कहा कि शुरुआती दो मैचों में वह अत्यधिक संजीदगी के साथ खेले, लेकिन अगर उन्हें चौथे टेस्ट में मौका मिलता है तो वह अपने चेहरे पर मुस्कान लेकर मैदान पर उतरेंगे।

एंडरसन ने लिखा, "सीरीज के पहले दो मैचों को देखूं तो मालूम होता है कि मैं बहुत गंभीर और बहुत तीव्र संजीदा था। अगर मुझे ओल्ड ट्रैफर्ड में मौका मिलता है तो मैं चेहरे पर मुस्कान के साथ उतरूंगा।"

उन्होंने लिखा, "शृंखला अब जीवंत है और इसका हिस्सा बनना आश्चर्यजनक रहा है। मुझे फिर से योगदान करने का मौका मिलना अच्छा लगेगा। यह कुछ ऐसा है जो मैंने कई वर्षों से किया है। जब टीम को मेरी जरूरत हो तो आना और ऐसा प्रदर्शन करना जो खेल पर प्रभाव डाल सकता है।"

हसरंगा, गार्डनर को आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार

दुबई, 11 जुलाई। श्रीलंका के स्पिनर वानिंदु हसरंगा और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम की ऑलराउंडर एशलेग गार्डनर को जून में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए मंगलवार को आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

जिंबाब्वे में विश्व कप क्वालीफायर में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद हसरंगा को इस पुरस्कार के लिए चुना गया। महिला एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली गार्डनर तीन बार महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनी। आईसीसी के हॉल ऑफ फेम में जगह बनाने वालों, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों, मीडिया प्रतिनिधियों और आईसीसी-क्रिकेट.कॉम पर पंजीकृत वैश्विक क्रिकेट प्रशंसकों के विशेषज्ञ पैनल के बीच मतदान के बाद इन दोनों खिलाड़ियों को पुरस्कार के लिए चुना गया। हसरंगा ने पिछले महीने 10 के औसत से 26 विकेट चटकाए। उन्होंने विश्व कप क्वालीफायर में श्रीलंका के पहले मैच में यूएई के खिलाफ छह विकेट चटकाए और फिर ओमान और आयरलैंड के खिलाफ क्रमश: 13 और 79 रन देकर पांच-पांच विकेट हासिल किए। हसरंगा इस दौरान एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में लगातार तीन मैच में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज बने। उन्होंने श्रीलंका को पांच अक्टूबर से भारत में शुरू हो रहे आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में अहम भूमिका निभाई। आईसीसी ने विज्ञप्ति में हसरंगा के हवाले से कहा, "यह (पुरस्कार) श्रीलंका क्रिकेट के लिए सही समय पर आया है, हमारे भारत में होने वाले क्रिकेट विश्व कप में जगह बनाने के बाद।

क्वार्टरफाइनल में उलटफेर का शिकार हुईं स्वियातेक

लंदन, 11 जुलाई। पोलैंड की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियातेक मंगलवार को विंबलडन 2023 के क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन की एलीना स्वितोलाना के हाथों उलटफेर का शिकार होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गयीं। पूर्व विश्व नंबर तीन स्वितोलाना ने फॉर्म में लौटने का अंदेशा देते हुए विश्व नंबर एक स्वियातेक को 7-5, 6-7(5), 6-2 से हराकर दूसरी बार विंबलडन सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीन बार फ्रेंच ओपन और एक बार अमेरिकी ओपन जीतने वाली स्वियातेक का यह विंबलडन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह पिछले साल भी इस आयोजन में तीसरे चरण तक ही पहुंच सकी थीं। बीते अक्टूबर अपनी बेटी को जन्म देने के बाद अप्रैल 2023 में कोर्ट पर लौटीं स्वितोलीना पहले सेट में 3-5 से पिछड़ी हुई थीं, लेकिन इसके बाद उन्होंने अगले 18 में से 16 पॉइंट अपने हित में किये।

प्रो पंजा लीग में हिस्सा लेंगे 180 खिलाड़ी

नयी दिल्ली, 11 जुलाई। प्रो पंजा लीग (पीपीएल) ने मंगलवार को पहले सीज़न में हिस्सा लेने वाले 180 खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की। राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 28 जुलाई से 13 अगस्त बीच होने वाले इस आयोजन के लिये खिलाड़ियों को किराक हैदराबाद, मुंबई मसल, रोहतक राउडीज, लुधियाना लायंस, बड़ौदा बादशाह्स और कोच्चि केडीज सहित छह टीमों में बांटा गया है। आठ बार के राष्ट्रीय पंजा चैंपियन राहुल पणिक्कर (70 किग्रा) रोहतक की फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं। राष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट संजय देसवाल (100 किग्रा) इस फ्रेंचाइजी में उनके साथ हैं।

पीपीएल के पहले रैंकिंग टूर्नामेंट के 90 किग्रा वर्ग के विजेता सिद्धार्थ मालाकार किराक हैदराबाद में शामिल हुए हैं। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन मोहसिन शेख (60 किग्रा) और पंजाब के हरमन मान (90 किग्रा) को बड़ौदा बादशाह्ज़ ने अपनी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाया है। महाराष्ट्र के तौहीद शेख (90 किग्रा) लुधियाना लायंस के अठाणी खिलाड़ी हैं। पंजाब राज्य चैंपियन शिवम राजपूत 100 किठाा भार वर्ग में उनका साथ देंगे। कोच्चि केडीज ने आकाश कुमार (70 किग्रा) पर भरोसा जताया है, जबकि काइल कमिंग्स (90 किग्रा) मुंबई मसल के अठाणी खिलाड़ी हैं। प्रत्येक टीम में कुल 30 खिलाड़ी हैं जो अलग-अलग भार वर्गों में अपनी फ्रेंचाइजी के लिये अंक बटोरने का प्रयास करेंगे। प्रो पंजा लीग के संस्थापक परवीन डबास ने कहा, "अपने पहले सीजन की शुरुआत से पहले ही प्रो पंजा लीग चर्चा में आ गयी है। इसे देखकर हमें खुशी हो रही है। हम इस समर्थन के लिये सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क का तहे दिल से धन्यवाद करते हैं। हमारी टीमें अब अंतिम रूप ले चुकी हैं और हमारे खिलाड़ी अपना दमखम दिखाने के लिये तैयार हैं।" प्रो पंजा लीग की सह-संस्थापक प्रीति झंगियानी ने कहा, "हमारे एथलीटों को सबसे बड़े मंच पर लाने के लिये हम सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के आभारी हैं। हमारे एथलीटों ने बीते कई सालों में एक लंबी यात्रा की है और अब आखिरकार उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिये एक मंच मिल गया है। अब 28 जुलाई से अरबों लोगों को यह देखने को मिलेगा कि टेबल पर आने के बाद ये एथलीट क्या-क्या कर सकते हैं।"

गैरी स्टीड 2025 तक बने रहेंगे न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कोच

वेलिंगटन, 11 जुलाई। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अलग अलग प्रारूप के लिये अलग कोच रखने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है और अब गैरी स्टीड ही अगले दो साल तक टीम के मुख्य कोच रहेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट के हाई परफॉर्मेंस महाप्रबंधक ब्रायन स्ट्रोनाक ने कहा कि अलग अलग कोच रखने के प्रस्ताव पर बात की गई और उसे खारिज कर दिया गया । जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कोचिंग स्टाफ की सेवायें ली जा सकती है ।

स्टीड को 2018 में नियुक्त किया गया था और दूसरी बार उनका कार्यकाल बढाया गया है । उनका मौजूदा करार भारत में होने वाले विश्व कप के बाद खत्म होना था लेकिन वह मौजूदा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप सत्र के 2025 में खत्म होने तक पद पर रहेंगे । स्ट्रोनाक ने कहा ," खिलाड़ियों , सहयोगी स्टाफ और विभिन्न संघों के कोचों की ओर से गैरी के पक्ष में जबर्दस्त समर्थन था।